GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

प्रायिकता प्रतिचयन की विधियों को आसानी से समझें

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/607/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

इस बार हम प्रायिकता प्रतिचयन की विधियों का परिचय देंगे, जिनका उपयोग सांख्यिकी में समष्टि से प्रायिकता के आधार पर प्रतिदर्श चुनने के लिए किया जाता है। प्रायिकता प्रतिचयन का अर्थ आम तौर पर जनमत सर्वेक्षणों या सामाजिक विज्ञान के शोध आदि में इकाइयों को यादृच्छिक रूप से इस तरह चुनना है कि समष्टि के प्रत्येक सदस्य के प्रतिदर्श में चुने जाने की प्रायिकता ज्ञात हो और वह 0 से अधिक हो। हर सदस्य के चुने जाने की प्रायिकता समान होना आवश्यक नहीं है। प्रायिकता प्रतिचयन का उपयोग करने पर चुने गए प्रतिदर्श के समष्टि से बहुत अधिक मिलता-जुलता होने की संभावना, अप्रायिकता प्रतिचयन की तुलना में अधिक होती है, जिसमें